News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-80
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

समय और भाग्य पर कभी अहंकार मत करो क्योंकि ये दोनों परिवर्तनशील है।

बिहार सिटी चीफ

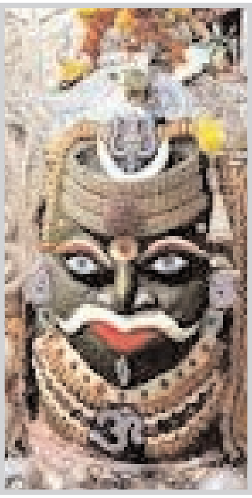

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, मंगलवार, 25 जून 2024

बच्चों के झगड़े को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट

करीब एक दर्जन लोग बुरी तरह घायल

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

कैमूर, कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र के तुर्की गांव में बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्ष में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें करीब एक दर्जन लोग घायल हो गये हैं। एक पक्ष से 9 लोग तो दूसरे पक्ष से 2 लोग बुरी तरह घायल हो गए। सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरा लाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन की गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया। बताया जाता है कि लड़ाई में लाठी डंडा के साथ-साथ धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया। जिससे

एक साथ कई लोग घायल हो गये। मौके पर पहुंची कुदरा थाने की पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। एक पक्ष के छवि कुमार ने बताया बकरी के विवाद को लेकर बच्चों में झगड़ा चल रहा था। हम लोग बीच-बचाव करने गए तब दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडा और तलवार से हमला कर दिया। इस हमले में हमलोगों की तरफ से करीब 10 से 12 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुदरा थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया तुर्की गांव में दो पक्षों में झगड़ा होने की बात सामने आई है। थाना पर पांच लोग आए थे सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। डायल 112 की गाड़ी मौके पर जाकर मामले की जांच कर रही है। धारदार हथियार और लाठी डंडा से झगड़ा किया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे आगे की कार्रवाई में जुटी है।

शौचालय की टंकी में दम घुटने से 2 मजदूरों की मौत , तीसरे की हालत गंभीर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

सिवान, 15 फीट गहरे शौचालय की टंकी का सैंट्रिंग खोलने के दौरान 2 मजदूर की मौत हो गयी। जबकि तीसरा मजदूर अस्पताल में भर्ती है। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। बताया जाता है कि शौचालय की टंकी के अंदर घुसते ही तीनों मजदूरों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

तीनों को ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। दम घुटने से मजदूर चिल्लाने लगे। मजदूरों की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग भी घबरा गये और शौचालय की टंकी में घुसे मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश करने लगे लेकिन मजदूरों को बाहर निकालने में सफलता नहीं मिली। जिसके बाद जेसीबी को मौके पर बुलाया गया। जेसीबी की मदद से टंकी के पास

खुदाई की गयी और तीनों मजदूरों को बाहर निकाला गया।

तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहां दो को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि तीसरे मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना सिवान जिले के भगवानपुर हाट की है। जहां नगवां गांव निवासी चंदन शर्मा के निर्माणाधीन शौचालय की टंकी में सैंट्रिंग खोलने के लिए 3 मजदूर घुसे थे। जिसमें दो की दम घुटने से मौत हो गयी। इस घटना से मृतक के परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वही मौके पर पहुंची पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बिहार में यह कैसी शराबबंदी

JDU नेता के घर से शराब और हथियार और कैश बरामद, जांच में जुटी पुलीस

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

समस्तीपुर, बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। राज्य के अंदर कहीं भी शराब पीना या इससे जुड़ा किसी भी तरह का कोई भी कारोबार करना गैरकानूनी माना गया है। लेकिन, इसके बावजूद इस कानून की हकीकत क्या है वह किसी से छुपा हुआ नहीं है। ऐसे में अब एक ताजा मामला बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी के एक नेता से जुड़ा हुआ है। जहां जदयू नेता के घर से गाड़ी में शराब, हथियार और नगदी बरामद किए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, समस्तीपुर में जदयू के प्रधान महासचिव के घर से गाड़ी में शराब व हथियार सहित एक लाख रुपये बरामद किए गए। घटना के बाद वो घर से फरार हैं ।फिलहाल पुलिस छापेमारी में जुटी है।

बताया जाता है कि,दलसिंहसराय अनुमंडल क्षेत्र के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के हरपुर बोचहा गांव में छापेमारी करते हुए पुलिस ने दो गाड़ी में रखी शराब के साथ दो हथियार के 99 हजार 50 रुपये नकद बरामद किए. ।शराब रखी एक स्कार्पियो गाड़ी के आगे एक बोर्ड लगा हुआ था, जिस पर जेडीयू प्रधान सचिव किसान प्रकोष्ठ लिखा हुआ था। वहीं दूसरी ऑल्टो कार, जिसमें भी शराब मिली है ।उस कार पर पुलिस का लोगो लगा हुआ पाया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह स्कार्पियो संजीव कुमार सिंह उपयोग करते थे जो उगन त्रिवेणी कॉलेज चमथा के शिक्षक हैं। वहीं जदयू किसान प्रकोष्ठ के भी प्रधान सचिव बताए जा रहे हैं लिस को टोल फ्री नंबर पर सूचना मिली थी कि हरपुर बोचहा गांव के वार्ड सात निवासी संजीव सिंह और अमित सिंह के घर शराब है। इस सूचना पर दारोगा रंजीत कुमार छापेमारी करने पहुंचे तो दोनों भाई ने विरोध किया इसके बाद विद्यापति नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी अन्य पुलिस बल के साथ वहां पहुंचकर जांच किए तो स्कार्पियो गाड़ी से 8 लीटर शराब और अल्टो कार से भी 8 लीटर शराब बरामद हुआ ।वही घर में घुसकर जांच की गई तो संजीव कुमार सिंह के घर से एक मास्केट हथियार, एक राइफल और तलवार बरामद हुआ है। साथ ही 99 हजार 500 रुपये नकद भी बरामद हुए।

अमित कुमार सिंह पर पूर्व में भी शराब कारोबार को लेकर विद्यापतिनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज है।

इस संबंध डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हरपुर बोचहा गांव के वार्ड सात संजीव कुमार सिंह और अमित कुमार सिंह के घर छापेमारी की गई है जहां दो गाड़ी से 8-8 लीटर विदेशी शराब के साथ दो हथियार बरामद हुई है। दोनों गाड़ी के साथ हथियार को जब्त कर सत्यापन कराया जा रहा है। गाड़ी में में किसी पार्टी विशेष का साइन बोर्ड और पदनाम लिखा हुआ पाया गया है।

कोचिंग में पढ़ाने के दौरान छात्रा को ले भागा टीचर

शादीशुदा और बाल-बच्चों वाला होने के बावजूद थी गंदी नजर, फिर क्या हुआ जानिए?

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बेतिया, बेतिया में कलयुगी शिक्षक ने गुरू-शिष्या के रिश्तों को कलंकित कर दिया। कोचिंग में पढ़ाने के दौरान शिक्षक बहला-फुसलाकर एक छात्रा को लेकर फरार हो गया। शिक्षक शादीशुदा है और दो बच्चों का बाप भी है इसके बावजूद उसकी गंदी नजर कोचिंग में पढ़ने वाली छात्रा पर रहती थी। एक दिन उसने छात्रा को लेकर भागने का प्लान बना लिया। इधर परिजन बेटी की तलाश में भटकते रहे।

मामला मझौलिया थाना क्षेत्र के अहवर शेख का हैं। बताया जाता है कि मझौलिया थाना क्षेत्र के अहवर गांव निवासी सरकारी शिक्षक अरुण कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं। मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि अहवर गांव निवासी छात्रा के पिता विपिन दास ने थाने में आवेदन देकर गांव के ही सरकारी विद्यालय में तैनात शिक्षक अरुण कुमार के खिलाफ 20 फरवरी को एक लिखित आवेदन देकर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई थी।

छात्रा के पिता विपिन दास ने आवेदन में लिखा है कि उनकी बेटी अरूण कुमार नामक शिक्षक के कोचिंग में पढ़ने के लिए जाती थी। वहीं से बेटी को बहला फुसला कर भगा ले गया। कलयुगी शिक्षक ने जाली सर्टिफिकेट

के माध्यम से कोर्ट मैरिज करने का कागजात पेश किया। वो भी फर्जी हैं। शिक्षक पहले से ही शादीशुदा है। उनके बेटा-बेटी भी है।

पत्नी और घरवालों के लाख मना करने पर भी शिक्षक ने उनकी एक ना सुनी और छात्रा को लेकर इधर-उधर भागता रहा। इधर परिजन बेटी की तलाश करते रहे। मझौलिया थानाध्यक्ष ने कार्रवाई करते हुए कांड संख्या 132/24 धारा 366/34 भादवि दर्ज करते हुए अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,अत्याचार अधिनियम के तहत आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

टीचर बनना चाहती थी, दूल्हा भी टीचर ढूंढा, मौत मिली

परिवार बोला- पति ने खुद जहर खरीदकर दिया बोला- पैसे, स्कॉर्पियो लाना या मर जाना

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी, मोतिहारी नेहा को टीचर बनने का शौक था। वो बन भी गई। नेहा वैवाहिक जीवन में भी खुश रहे, इसलिए शिक्षक लड़के से शादी भी करवाई। लेकिन, दहेज की डिमांड को लेकर नेहा को काफी प्रताड़ित किया गया, जिससे उसने मर जाना ठीक समझा। घर से आखिरी बार जाते समय उसने दादी को कहा था कि अब मेरा मरा मुंह ही देखना। इस दर्द को बयां करते हुए क्क्ष्ट टीचर नेहा गुप्ता (मृतका) के पिता रो पड़ते हैं ।नेहा की बुआ ने बताया कि नेहा को अस्पताल ले जाते समय पूछा था, तुम्हें जहर कहां से मिला। उसने बताया था कि पति ने ही खरीद कर पर्स में रख दिया था। कहा था कि अगर पैसे और गाड़ी लेकर नहीं आओगी तो इसे खाकर मर जाना ।वहीं, दादी ने कहा- नेहा ने बताया था कि स्कूल में किसी शिक्षक से बात कर लेती हूं तो पति गाली देता है। मारपीट भी करता है।

20 लाख और स्कॉर्पियो मांग रहे थे

दरअसल, मोतिहारी में ससुराल वालों के टॉर्चर से तंग आकर 22 जून को BPSC टीचर नेहा गुप्ता (25) ने अपने मायके में आत्महत्या कर ली। मायके वालों का कहना है कि पति और ससुराल वाले 20 लाख रुपए और एक स्कॉर्पियो मांग रहे थे। पति का कहना था कि मेरे भाई को दहेज में काफी कुछ मिला है। इसलिए मुझे भी मिलना चाहिए। नेहा दरभंगा में ड्यूटी करती थी ।नेहा की शादी दो साल पहले शिवहर जिले के तरियानी थाना क्षेत्र के बेलहिया में आशुतोष कुमार से हुई थी। आशुतोष भी शिक्षक है। वो मुजफ्फरपुर में कार्यरत है। नेहा के परिजनों ने स्यस्ष्ट॥ ओपी पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए शिकायत की है ।मायके वालों का कहना है कि मौत की जानकारी ससुराल वालों को दी गई, फिर भी वे लोग नहीं आए। स्यस्ष्ट॥ ओपी प्रभारी डॉ. ललन कुमार पासवान ने बताया कि शिकायत मिली है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी नेहा

नेहा के मायके पहुंची और परिजनों से बात की। नेहा के पिता राजकुमार गुप्ता जनरल स्टोर चलाते हैं। उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। राजकुमार गुप्ता बताते हैं कि नेहा सबसे बड़ी थी। उसे गांव से दूर रखकर पढ़ाया। वो शुरू से बच्चों को पढ़ाया करती थी। उसे टीचर बनने का शौक था। आशुतोष के पिता, भाई और मां सभी टीचर हैं। इसलिए उस घर में बेटी की शादी की थी ।राजकुमार के अनुसार, 22 अप्रैल 2022 को नेहा

की आशुतोष के साथ शादी की। शादी के बाद नेहा भी बीपीएससी टीचर बन गई। शादी के एक साल तक सब कुछ ठीक चला। आशुतोष के छोटे भाई आशीष की शादी हुई तो उसे दहेज में अच्छा खासा सामान और पैसा मिला। इसके बाद से आशुतोष का व्यवहार बदल गया और वो नेहा को टॉर्चर करने लगा ।आशुतोष कहता था मैं भी शिक्षक हूं, मेरा भाई भी शिक्षक है। उसे इतना ज्यादा दहेज मिला है और मुझे क्या मिला। तुम अपने पापा से 20 लाख रुपए और एक चार चक्का गाड़ी लेकर आओ। मेरी बेटी कहती थी कि अब मैं भी टीचर बन गई हूं। धीरे-धीरे सब हो जाएगा। लेकिन, उसके ससुराल वाले एक बात नहीं माने ।राजकुमार गुप्ता ने बताया कि 10 दिसंबर 2023 को ससुराल वालों ने दहेज के लिए नेहा की बुरी तरह पिटाई कर दी। इसके बाद आशुतोष की मां ने फोनकर बताया कि अपनी बेटी को ले जाओ। इसके बाद से नेहा ससुराल नहीं जाना चाहती थी। उसे इतना प्रताड़ित किया गया था कि वो ससुराल जाने के नाम पर रोने लगती थी। नेहा की ड्यूटी दरभंगा में थी। आशुतोष वहां भी जाकर उसे परेशान करता था।

पंचायत के बाद विदा होकर ससुराल गई राजकुमार गुप्ता ने बताया कि 17 जून को पंचायत की बैठक हुई। इस बैठक में एक बॉन्ड पेपर पर कभी मारपीट या प्रताड़ित नहीं करने की बात लिखी गई थी। इस बॉन्ड पेपर पर साइन किया, फिर नेहा की विदाई की गई। लेकिन, नेहा ससुराल नहीं जाना चाहती थी। ससुराल जाते समय उसने रोते हुए दादी से कहा था कि अब तुम लोग मेरा मरा मुंह ही देखना ।नेहा की मां किरण देवी ने कहा- 21 जून को घर में पूजा थी। नेहा को आने के लिए फोन किया, लेकिन उससे बात नहीं हो सकी। अगले दिन नेहा ने फोन किया और कहा- यहां से सुबह 6 बजे तक आकर ले जाओ। इसके बाद चाचा संजय कुमार उसके ससुराल पहुंचे। घर पर केवल उसकी सास थी। उसने ठीक से बात भी नहीं की। हालांकि, वो नेहा को लेकर यहां आ गए ।नेहा की मां ने कहा- 22 जून को करीब तीन बजे आशुतोष से उसकी फोन पर बात हुई। दोनों के बीच क्या बातें हुई कि वो रोने लगी। रात में खाना खाने के लिए कहने गई तो वो कुछ नहीं बोली। केवल रो रही थी ।कुछ देर बाद अचानक से अपने रूम को बंद कर लिया। छोटी बहन ने अपने पापा को बताया, तब वो गेट तोड़ कर कमरे में घुसे। नेहा उल्टी कर रही थी। उसे तुरंत मुजफ्फरपुर स्थित हॉस्पिटल लेकर भागे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया ।मृतका की दादी कृष्णा देवी कहती है- वो मुझे सब कुछ बताती थी। वो कहती थी कि आशुतोष बहुत मारता है। हम वहां नहीं जाएंगे। नेहा कहती थी कि मैं दूसरी शादी भी नहीं करूंगी और ना ही मरूंगी। नौकरी करती हूं। अनाथ आश्रम से एक बच्चा लेकर उसे पालूंगी। उसी के सहारे जिंदगी काट लूंगी।

सहरसा में बड़ी घटना को अंजाम देने वाले थे बाप-बेटे

हथियार के साथ पुलिस ने दबोचा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

सहरसा- सहरसा पुलिस की तत्परता से बड़ी घटना को रोका गया। बाप-बेटे किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे तभी पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों के पास से पुलिस ने देसी राइफल, देसी कट्टा और कारतूस बरामद किया।

सहरसा में अवैध हथियार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को सुबह 4ः00 बजे कनरिया अपर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि दीपक यादव और हकीम यादव दोनों रिश्ते में बाप-बेटे हैं।

दोनों कठडुमर टोला इजराहा, थाना - कनरिया का रहने वाला है। वो किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के मकसद से घर में अवैध हथियार छिपा कर रखे हुए है।

वो कभी भी किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है। मिली सूचना के बाद पुलिस छापेमारी के लिए घर पर पहुंची। पुलिस ने दीपक यादव और हकीम यादव के घर से एक देसी 315 राइफल, एक देसी कट्टा एवं 4 जिन्दा कारतूस बरामद किया और दोनों अपराधियों को गिरफ्तार किया।

बाप-बेटे की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है। इस संबंध में कनरिया थाने में आर्म्स एक्स का मामला दर्ज कराया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों बाप-बेटे को जेल भेजा गया है।